2021

HINDI — GENERAL

Paper : DSE-A-2

(Chhayavad)

Full Marks : 65

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×10

(क) 'दीन रहा, पर चिन्तामणि वितरण करता था' – यह पंक्ति किस कविता से ली गई है? इसके रचनाकार का नाम लिखिए।

(ख) 'सिन्धु सा विस्तृत और अथाह एक निर्वासित का उत्साह' – पंक्ति में किसके उत्साह का परिचय दिया जा रहा है? 'निर्वासित' शब्द का अर्थ बताइए।

(ग) "आधुनिक युग की मीरा" किसे कहा जाता है? उनके किसी एक काव्य-संग्रह का नाम बताइए।

(घ) "भूरे बालों की सी कतरन, छुपा नहीं उसका छोटापन" – कविता और कवि का नाम बताइए।

(ङ) जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित दो काव्य-संग्रहों के नाम बताइए।

(च) "विप्लव रव से छोटे ही हैं शोभा पाते" – यह पंक्ति किस कवि की किस कविता से उद्धृत है?

(छ) "आग हूँ, जिससे ढुलकते बिंदु हिमजल के, शून्य हूँ जिसको बिछे हैं पांवड़े पल के" – कविता और कवि का नाम बताइए।

(ज) 'नाचेंगी अनुरक्त वीचियाँ रंचित प्रभा सुनहरी में' – पंक्ति में 'अनुरक्त' और 'वीचियाँ' का अर्थ लिखिए।

(झ) प्रकृति का सुकुमार कवि किसे कहा जाता है? उनके किसी एक काव्य-संग्रह का नाम बताइए।

(ञ) मुक्त छंद के प्रवर्तक कौन हैं? उनके किसी एक काव्य-संग्रह का नाम बताइए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5×3

(क) "देख नग्न सौन्दर्य प्रकृति का निर्जन में अनुरागी हो,
निज प्रकाश डालेगा जिसमें अखिल विश्व समभागी हो।
किसी माधुरी स्मित-सी होकर यह संकेत बताने को,
जला करेगा दीप, चलेगा यह सोता बह जाने को।"

(ख) "रत्न प्रसविनी है वसुधा, अब समझ सका हूँ,
इसमें सच्ची समता के दाने बोने हैं;
इसमें जन की क्षमता के दाने बोने हैं;
इसमें मानव-ममता के दाने बोने हैं।"

(ग) "जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर
तुझे बुलाता कृषक अधीर,
ऐ विप्लव के वीर!"

(घ) "गये तब से कितने युग बीत
हुए कितने दीपक निर्वाण!
नहीं पर मैंने पाया सीख
तुम्हारा सा मनमोहन गान।"

(ङ) "इस धारा-सा ही जग का क्रम,
शाश्वत इस जीवन का उद्‌गम,
शाश्वत है गति, शाश्वत संगम।"

3. निम्नलिखित किन्हीं ***तीन*** आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×3

(क) 'राजे ने अपनी रखवाली की' – कविता किस कटु यथार्थ का चित्रण करती है?

(ख) 'आशा' कविता की मूल-संवेदना पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'भारत-महिमा' कविता में निहित राष्ट्रीय चेतना को स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'परिवर्तन' कविता के माध्यम से कवि ने किस जीवन सत्य को उजागर किया है? स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'सूर्यकांत त्रिपाठी निराला छायावाद के प्रमुख स्तंभ हैं' – इस पंक्ति की विवेचना कीजिए।